Date 13.07.26

Publication: Prabhat Khabar

पीवीयूएनएल को कोयला आपूर्ति करेगा कोल इंडिया

वरीय संवाददाता, रांची

- जून तक ही था एग्रीमेंट, मंत्रालय की लिकेंज कमेटी की बैठक में हुआ तय
- अब तक शुरू नहीं हो पाया है पीवीयूएनएल को आवंटित बनहरदी कोल ब्लॉक

झारखंड के पतरातू सुपर थर्मल पावर परियोजना को कोयले की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए ब्रिज लिंकेज को एक वर्ष के लिए बढ़ाने की सिफारिश की गयी है. कोयला मंत्रालय की स्टैंडिंग लिंकेज कमेटी (लॉन्ग टर्म) ने मंत्रालयों और संबंधित एजेंसियों की सिफारिशों के आधार पर यह निर्णय लिया है. लिंकेज कमेटी की बैठक में बताया गया था कि पतरातू विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड (पीवीयूएनएल) जो एनटीपीसी और झारखंड बिजली वितरण निगम लिमिटेड (जेबीवीएनएल) का संयुक्त उपक्रम है, उसकी 800 गुणा तीन मेगावाट क्षमता वाली परियोजना के लिए बनहरदी कोयला ब्लॉक 25 जून 2018 को आवंटित किया गया था. इतने समय के बाद भी ब्लॉक से उत्पादन शुरू नहीं हो सका है.

बनहरदी को मिल चुकी है इसी : बताया गया कि बनहरदी कोयला ब्लॉक के लिए पर्यावरणीय स्वीकृति मिल चुकी है. भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया जारी है, जबकि फॉरेस्ट क्लियरेंस का मामला अभी लंबित है. अनुमान के अनुसार इस ब्लॉक से जुलाई 2027 से उत्पादन शुरू होगा. वित्तीय वर्ष 2027-28 में लगभग 10 लाख टन कोयला उत्पादन का लक्ष्य रखा गया है. इस खदान की पीक रेटेड क्षमता 12 मिलियन टन प्रतिवर्ष है, जिसे खनन शुरू होने के सातवें वर्ष तक हासिल करने का लक्ष्य है. बैठक के दौरान विद्युत मंत्रालय, रेल मंत्रालय, नीति आयोग और केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण ने ब्रिज लिंकेज बढ़ाने का समर्थन किया. वहीं कोल इंडिया विभिन्न खदानों से कोयला उपलब्ध कराने की सहमति जतायी.

पहली इकाई से 2025 व दूसरी से 2026 में उत्पादन शुरू

विद्युत मंत्रालय के अनुसार परियोजना की पहली इकाई पांच नवंबर 2025 को व्यावसायिक उत्पादन हासिल कर चुकी है. दूसरी इकाई से 25 जून 2026 में उत्पादन शुरू हो चुका है. तीसरी इकाई के 2026-27 की चौथी तिमाही में में चालू होने की उम्मीद है. ऐसे में यदि जून 2026 के बाद ब्रिज लिंकेज नहीं मिला, तो चालू एवं निर्माणाधीन इकाइयों के लिए कोयले की आपूर्ति प्रभावित होगी और बिजली उत्पादन पर असर पड़ सकता है.